



भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर

INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY, NAGPUR

"An Institution of National Importance by an Act of Parliament"

Website: www.iiitn.ac.in Email: director@iiitn.ac.in, registrar@iiitn.ac.in Phone: 9405215010

PRESS RELEASE
Date: 3rd March
2025

English

Lymphatic Filariasis (Hathipaon) awareness campaign and Free Tuberculosis (TB) Health Checkup Camp at IIIT Nagpur

Lymphatic Filariasis (Hathipaon) and Tuberculosis (TB), are the serious public health concern in India. The government has been making significant efforts to eliminate these diseases by 2027, in alignment with global health goals. IIIT Nagpur, organized a campaign for the elimination of Lymphatic Filariasis at ZP Upper Primary Marathi School, Waranga on 13th February 2025. The primary goal was to spread awareness, educate students and teachers, and encourage community participation in the fight against these diseases. Further, IIIT Nagpur, in collaboration with Lata Mangeshkar Hospital, Nagpur, successfully organized a free Tuberculosis (TB) health checkup camp on 20th February 2025 to promote early detection, awareness, and prevention of TB. The medical camp was led by Dr. Rahul Thakre and his expert team.

The initiative offered free screenings, medical consultations, and awareness sessions, educating attendees on the importance of early diagnosis, preventive measures, and proper treatment for TB. Several suspected TB cases were identified, and the individuals were guided toward appropriate medical intervention, ensuring timely care. A key highlight of the event was the emphasis on reducing the stigma associated with TB, encouraging individuals to seek medical assistance without hesitation. Additionally, diagnosed individuals were linked with treatment programs and follow-up care to improve public health outcomes and prevent the spread of the disease. The event was efficiently coordinated by Dr. Kaushlendra Sharma from CSE department. In recognition of invaluable contribution to public health, Dr. Rahul Thakre and his team were felicitated by Shri. Kailas Dakhale, Registrar, IIIT Nagpur. The Director, Dr. Prem Lal Patel, and Associate Dean, Dr. Tausif Diwan congratulated all the stakeholders for the success of event.

MARATHI

लिम्फॅटिक फाइलेरियासिस (हथीपाव) जनजागृती मोहीम आणि आयआयआयटी नागपूर येथे मोफत क्षयरोग (टीबी) आरोग्य तपासणी शिबिर

लिम्फॅटिक फायलेरियासिस (हथिपाओन) आणि क्षयरोग (टीबी), हे भारतातील गंभीर सार्वजनिक आरोग्य चिंता आहेत. जागतिक आरोग्य उद्दिष्टांच्या अनुषंगाने २०२७ पर्यंत या आजारांना दूर करण्यासाठी सरकार महत्त्वपूर्ण प्रयत्न करत आहे. आयआयआयटी, नागपूर, १३ फेब्रुवारी २०२५ रोजी झेडपी उच्च प्राथमिक मराठी शाळा, वारंगा येथे लिम्फॅटिक फिलेरियासिस निर्मूलन मोहीम आयोजित केली होती. प्राथमिक उद्दिष्ट जागरूकता पसरवणे, विद्यार्थी आणि शिक्षकांना शिक्षित करणे आणि या रोगांविरुद्धच्या लढ्यात समुदायाच्या सहभागास प्रोत्साहन देणे हे होते. पुढे, आयआयआयटी नागपूरने लता मंगेशकर हॉस्पिटल, नागपूरच्या सहकार्याने क्षयरोग लवकरात लवकर ओळखणे, जागरूकता आणणे आणि प्रतिबंध करण्यासाठी २० फेब्रुवारी २०२५ रोजी मोफत क्षयरोग (टीबी) आरोग्य तपासणी शिबिराचे यशस्वी आयोजन केले. या वैद्यकीय शिबिराचे नेतृत्व डॉ. राहुल ठाकरे व त्यांच्या तज्ञ पथकाने केले. या उपक्रमात मोफत तपासणी, वैद्यकीय सल्लामसलत आणि जागरूकता सत्रे, उपस्थितांना लवकर निदान, प्रतिबंधात्मक उपाय आणि क्षयरोगासाठी योग्य उपचारांचे महत्त्व याविषयी शिक्षित करण्यात

आले. अनेक संशयित टीबी प्रकरणे ओळखली गेली, आणि व्यक्तींना योग्य वैद्यकीय हस्तक्षेपासाठी मार्गदर्शन केले गेले, वेळेवर काळजी सुनिश्चित केली. क्षयरोगाशी निगडित कलंक कमी करण्यावर भर देणे, व्यक्तींना संकोच न करता वैद्यकीय मदत घेण्यास प्रोत्साहित करणे हे या कार्यक्रमाचे मुख्य आकर्षण होते. याव्यतिरिक्त, निदान झालेल्या व्यक्तींना सार्वजनिक आरोग्य परिणाम सुधारण्यासाठी आणि रोगाचा प्रसार रोखण्यासाठी उपचार कार्यक्रम आणि फॉलोअप केअरशी जोडले गेले होते. कार्यक्रमाचे कुशल सूत्रसंचालन CSE विभागाचे डॉ. कौशलेन्द्र शर्मा यांनी केले. सार्वजनिक आरोग्यासाठी दिलेल्या अमूल्य योगदानाबद्दल डॉ. राहुल ठाकरे आणि त्यांच्या टीमचा श्री. कैलास डाखले, कुलसचिव, आयआयआयटी नागपूर. कार्यक्रमाच्या यशस्वीतेबद्दल संचालक डॉ. प्रेमलाल पटेल आणि सहयोगी डीन डॉ. तौसिफ दिवाण यांनी सर्व संबंधितांचे अभिनंदन केले.

HINDI

लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (हाथीपांव) जागरूकता अभियान और आईआईआईटी नागपुर में मुफ्त क्षय रोग (टीबी) स्वास्थ्य जांच शिविर

लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (हाथीपांव) और तपेदिक (टीबी), भारत में गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय हैं। सरकार वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों के अनुरूप, २०२७ तक इन बीमारियों को खत्म करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है। आईआईआईटी, नागपुर ने १३ फरवरी २०२५ को जिला परिषद उच्च प्राथमिक मराठी स्कूल, वारंगाम में लिम्फैटिक फाइलेरियासिस के उन्मूलन के लिए एक अभियान का आयोजन किया। प्राथमिक लक्ष्य जागरूकता फैलाना, छात्रों और शिक्षकों को शिक्षित करना और इन बीमारियों के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। इसके अलावा, आईआईआईटी नागपुर ने लता मंगेशकर अस्पताल, नागपुर के सहयोग से टीबी की शीघ्र पहचान, जागरूकता और रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए २० फरवरी २०२५ को एक मुफ्त तपेदिक (टीबी) स्वास्थ्य जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। चिकित्सा शिविर का नेतृत्व डॉ. राहुल ठाकरे और उनकी विशेषज्ञ टीम ने किया।

इस पहल ने मुफ्त जांच, चिकित्सा परामर्श और जागरूकता सत्र की पेशकश की, जिसमें उपस्थित लोगों को टीबी के शीघ्र निदान, निवारक उपायों और उचित उपचार के महत्व पर शिक्षित किया गया। कई संदिग्ध टीबी मामलों की पहचान की गई, और व्यक्तियों को समय पर देखभाल सुनिश्चित करते हुए उचित चिकित्सा हस्तक्षेप के लिए निर्देशित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण टीबी से जुड़े कलंक को कम करने पर जोर देना, व्यक्तियों को बिना किसी हिचकिचाहट के चिकित्सा सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार और बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए निदान किए गए व्यक्तियों को उपचार कार्यक्रमों और अनुवर्ती देखभाल से जोड़ा गया था। कार्यक्रम का कुशल संचालन सीएसई विभाग के डॉ. कौशलेन्द्र शर्मा ने किया। सार्वजनिक स्वास्थ्य में अमूल्य योगदान के लिए डॉ. राहुल ठाकरे और उनकी टीम को श्री द्वारा सम्मानित किया गया। कैलास डाखले, रजिस्ट्रार, आईआईआईटी नागपुर। निदेशक, डॉ. प्रेम लाल पटेल और एसोसिएट डीन, डॉ. तौसिफ दीवान ने ईवी की सफलता के लिए सभी हितधारकों को बधाई दी।

